प्रेम ध्वनि

०१ जय ॐ विष्णुपाद परमहंस परिव्रजकाचार्य अष्टोत्तर-शत श्री श्रीमद् **दिव्य कृपा मूर्ति** श्रील ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी महाराज प्रभुपाद की .... **सभी:** जय

०२ जय ॐ विष्णुपाद परमहंस परिव्रजकाचार्य अष्टोत्तर-शत श्री श्रीमद् **दिव्य कृपा मूर्ति** भक्तिसिद्धांत सरस्वती गोस्वामी महाराज प्रभुपाद की .... **सभी:** जय

०३ अनंत-कोटि वैष्णव-वृंद की .... **सभी:** जय

०४ नामाचार्य हरिदास ठाकुर की ...... **सभी:** जय

०५ प्रेम से कहो
श्री-कृष्ण-चैतन्य, प्रभु नित्यानंद, श्री अद्वैत, गदाधर, श्रीवास आदि -गौर-भक्त-वृंद की .... **सभी:** जय

०६ श्री-श्री-राधा-कृष्ण गोप-गोपीनाथ, श्याम कुंड, राधा कुंड, गिरिगोवर्धन की .... **सभी:** जय

०७ वृंदावन-धाम की .... **सभी:** जय

०८ मथुरा-धाम की .... **सभी:** जय

०९ नवद्वीप-मायापुर धाम की .... **सभी:** जय

१० जगन्नाथ पुरी धाम की .... **सभी:** जय

११ गंगा माई की ...... **सभी:** जय

१२ यमुना माई की .... **सभी:** जय

१३ तुलसी देवी की .... **सभी:** जय

१४ भक्ति देवी की **सभी:** जय

१५ समवेत भक्त-वृंद की .... **सभी:** जय

१६ गौर प्रेमानंद **सभी:** हरि हरि बोल

१७ सभी भक्तों को मेरा कोटि-कोटि वंदन **सभी:** हरे कृष्ण

१८ सभी भक्तों को मेरा कोटि-कोटि वंदन **सभी:** हरे कृष्ण

१९ सभी भक्तों को मेरा कोटि-कोटि वंदन **सभी:** हरे कृष्ण

२० श्री गुरु और गौरांग को मेरा कोटि-कोटि वंदन **सभी:** हरि हरि बोल

॥ हरेकृष्ण ! हरे कृष्ण ! कृष्ण कृष्ण हरे हरे ....हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ॥